अध्याय - 2 संविधान निर्माण

स्मरणीय तथ्य

- संविधान लिखित नियमों की एक ऐसी किताब है जिसे उस देश में रहने वाले लोग सामूहिक रूप से मानते है। संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है ।
- संविधान लोगों के बीच आपसी सम्बन्ध तथा लोंगों और सरकार के बीच के सम्बन्ध तय करता है ।
- संविधान की आवश्यकता होती है :-
  - लोकतान्त्रिक सरकार का निर्माण और उसके कार्य तय करने के लिए ।
  - सरकार के विभिन्न अंगो के अधिकार क्षेत्र तय करने के लिए।
  - सरकार को अपनी शक्तियों के दुरूपयोग से रोकने के लिए।
  - नागरिकों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए ।
  - अच्छे समाज के गठन के लिए ।
- रंगभेद-नस्ली भेदभाव पर आधारित व्यवस्था थी, जो दक्षिण अफ्रीका में विशिष्ट तौर पर चलायी गई, दक्षिण अफ्रीका पर यह व्यवस्था यूरोप के गोरे लोगों के द्वारा शुरू की गई थी।
- दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद :- 17वीं और 18वीं शताब्दी में व्यापार करने आई यूरोप की कम्पनियों ने, दक्षिण अफ्रीका को गुलाम बनाया और काफी बड़ी संख्या में यहाँ गोरे लोग बस गए और यहाँ के स्थानीय काली चमड़ी वाले लोगों के साथ रंगभेद नीति शुरू कर दिया।
- रंगभेद की नीति के अंतर्गत अश्वेतों पर कई प्रतिबंध थे –
  - अश्वेतों को गोरो की बस्तियों में बसने की इजाजत नहीं थी। वहाँ जाने के लिए परमिट जारी किया जाता था।
  - काले लोग गोरों के लिए आरक्षित स्थानों पर नहीं जा सकते थे। इसमें गोरों के गिरजा घर भी सम्मिलित थे।
  - अश्वेतों को संगठन बनाने और इस भेदभावपूर्ण व्यवहार का विरोध करने का भी अधिकार नहीं था।
- दक्षिण अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला ने रंगभेद से चलने वाली शासन की व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई।
- नेल्सन मंडेला पर देशद्रोह के आधार पर मुकदमा चलाया गया । नेल्सन मंडेला को सात अन्य अफ्रीकी नेताओं सहित 1964 ई. में देश में रंगभेद से चलने वाली शासन व्यवस्था का विरोध करने के लिए आजीवन कारावास की सजा दी गई। वह 28 वर्षों तक दक्षिण अफ्रीका की सबसे भयावह जेल, रोब्बेन द्वीप की जेल में कैद रहे ।
- नेल्सन मंडेला द्वारा लिखित आत्मकथा का नाम 'द लाँग वाक टू फ्रीडम' है ।
- दक्षिण अफ्रीका में स्वतंत्रता संग्राम :- अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के झंडे तले दक्षिण अफ्रिकियों ने 1950 ई. से ही गोरों के विरुद्ध आजादी की लड़ाई लड़ी,आखिरकार 26 अप्रैल 1994 ई. को दक्षिण अफ्रीका गणराज्य का नया झंडा लहराया, और यह दुनिया का नया लोकतांत्रिक देश बन गया ।
- संविधान के प्रमुख कार्य :-
  - साथ रह रहे विभिन्न तरह के लोगों के बीच जरूरी भरोसा और सहयोग विकसित करना ।
  - स्पष्ट करना कि सरकार का गठन कैसे होगा और किसे फैसले लेने का अधिकार होगा।
  - सरकार के अधिकारों की सीमा तय करना और नागरिकों के अधिकार बताना।
  - अच्छे समाज के गठन के लिए लोगों की आकांक्षाओं को व्यक्त करना।
- भारतीय संविधान का निर्माण :-
  - भारत जैसे विशाल व विविधता भरे देश के लिए संविधान बनाना आसान नहीं था ।
  - 1858 ई. के बाद से ब्रिटिश सरकार ने भारत सरकार के लिए कई अधिनियम पारित किए, लेकिन भारतीय आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सके।
- 1928 ई. में मोतीलाल नेहरू और कांग्रेस के आठ अन्य नेताओं ने भारत का संविधान लिखा था।
  - 1931 ई. में कराची में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में आजाद भारत का संविधान की रूपरेखा रखी गई थी।
  - इन दोनों ही दस्तावेजों में स्वतंत्र भारत के संविधान में सार्वभौम वयस्क मताधिकार, स्वतन्त्रता और समानता का अधिकार और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात भी कही गयी थी।
- संविधान सभा :- चुने गए जनप्रतिनिधियों की वो सभा जो संविधान नामक विशाल दस्तावेज़ को लिखने का काम करती है, उसे संविधान सभा कहते हैं ।
- भारतीय संविधान सभा :-
  - भारतीय संविधान सभा के लिए जुलाई 1946 ई. में चुनाव हुए थे ।
  - संविधान सभा की पहली बैठक दिसंबर 1946 ई. को हुई थी।
  - इसके तत्काल बाद देश दो हिस्सों - भारत और पाकिस्तान में बँट गया ।
  - संविधान सभा भी दो हिस्सों में बँट गई - भारत की संविधान सभा और पाकिस्तान की संविधान सभा ।
- भारत का संविधान लिखने वाली सभा में 299 सदस्य थे, जिन्होंने 26 नवम्बर 1949 ई. में अपना कार्य पूरा कर लिया ।

- प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष डॉ भीम राव अंबेडकर ने चर्चा के लिए संविधान का एक प्रारूप बनाया।
- संविधान कि प्रत्येक धारा पर कई दौर में विस्तृत चर्चा की गई। लगभग 2000 से ज्यादा संशोधनों पर विचार किया गया।
- तीन वर्षों में कुल 114 दिनों की गंभीर चर्चा हुई। और उन चर्चाओं को रिकॉर्ड भी किया गया और उस पर चर्चा किया गया। इन्हें कांस्टीट्यूएंट असेम्बली डिबेट्स (Constituent Assembly Debates) नाम से बारह मोटे-मोटे खंडों में प्रकाशित किया गया। इन्हीं बहसों से ही हम हर प्रावधान के पीछे की सोंच और तर्क को समझ सकते हैं।
- 26 नवम्बर 1949 ई. भारत का संविधान पूरा हुआ एवं संविधान सभा द्वारा शपथ लिया गया।
- भारतीय संविधान लागू :- 26 जनवरी 1950 ई. को संविधान लागू हुआ।
- भारतीय संविधान की विशेषताएँ : संघीय सरकार, संसदात्मक सरकार, प्रभुत्व संपन्न लोकतान्त्रिक राज्य, पंथनिरपेक्ष राज्य, नागरिकों के मौलिक अधिकार, स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत।
- संविधान संशोधन : देश के सर्वोच्च विधायी संस्था द्वारा उस देश के संविधान में किए जाने वाले बदलाव को संविधान संशोधन कहते है।
- संविधान का दर्शन :-
  - संविधान की शुरुआत बुनियादी मूल्यों की एक छोटी उद्देशिका के साथ होती है। इसे संविधान की प्रस्तावना या उद्देशिका कहते हैं, जिससे पूरे संविधान का निर्माण हुआ है।
  - जिन मूल्यों ने स्वतन्त्रता संग्राम की प्रेरणा दी और उसे दिशा निर्देश दिये तथा जो इस क्रम में जांच-परख लिए गए, वे ही भारतीय लोकतंत्र का आधार बना । भारतीय संविधान की प्रस्तावना में इन्हें शामिल किया गया । इसके सहारे परखा जा सकता है कि कौन कानून, कौन फैसला, अच्छा या बुरा है । इसमें भारतीय संविधान की आत्मा बसती है ।
- भारतीय संविधान का पथ प्रदर्शक करने वाले शब्द :-
  - पंथ निरपेक्ष:- नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वतंत्रता है लेकिन कोई धर्म अधिकारिक नहीं है। सरकार सभी धर्मो का बराबर सम्मान करती है।
- गणराज्य:- शासन का प्रमुख लोगों द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा, न किसी वंश विशेष या राज खानदान का।
- लोकतंत्रात्मक:- सरकार का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोगों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त रहते हैं। लोग अपना शासक का चुनाव करते है, वह जवाबदेह होता है। और बुनियादी नियमों के अनुरूप चलती है।
  - समता : कानून के समक्ष सभी लोग बराबर हैं।
  - बंधुता: हम सब ऐसा आचरण करें, जैसा कि एक परिवार के सदस्य हों। कोई भी नागरिक किसी दूसरे नागरिक को अपने से कमतर न माने।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. नेल्सन मंडेला ने किस देश को स्वतंत्र करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया?

a. दक्षिण अफ्रीका　b. केन्या
c. नाइजीरिया　d. सीरिया

2. नेल्सन मंडेला को गोरों की सरकार ने कब जेल में डाला?

a. 1960ई.　b. 1964ई.
c. 1968ई.　d. 1972ई.

3. नेल्सन मंडेला को आजीवन कारावास की सजा क्यों दी गई?

a. अश्वेतों को प्रभुत्व बढ़ाने के लिए।
b. अपने को राष्ट्रपति घोषित करने के लिए ।
c. रंगभेद से चलने वाली शासन व्यवस्था का विरोध करने के लिए।
d. इनमें से कोई नहीं।।

4. नेल्सन मंडेला के साथ कितने अन्य नेताओं को आजीवन कारावास की सजा दी गई थी ?

a. सात　b. पांच
c. आठ　d. दस

5. नेल्सन मंडेला कितने वर्षो तक जेल में रहे ?

a. 10 वर्ष　b. 18 वर्ष
c. 25 वर्ष　d. 28 वर्ष'

6. नेल्सन मंडेला को किस द्वीप में कैद किया गया था ?

a. अंडामन-निकोवार　b. रोब्बेन द्वीप
c. लक्ष्यद्वीप　d. सेंट हेलेना द्वीप

7. दक्षिण अफ्रीका में अश्वेतों की आबादी कितनी है?

a. एक चौथाई
b. कुल आबादी आधा
c. तीन-चौथाई
d. आबादी का दसवां हिस्सा

8. अश्वेत, रंगीन चमड़ी वाले और भारतीय मूल के लोगों ने, रंगभेद प्रणाली के खिलाफ संघर्ष कब से शुरू किया?

a. 1920 ई.　b. 1930ई.
c. 1940ई.　d. 1950ई.

9. कौन–सी राजनीतिक पार्टी के नेतृत्व में अफ्रीकी लोगों ने रंगभेद प्रणाली का बिरोध किया ?

a. अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस
b. कांग्रेस पार्टी
c. डेमोक्रेटिक पार्टी
d. लेवर पार्टी

10. 'द लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम' किस महान नेता की आत्म-कथा है?

a. महात्मा गाँधी　b. नेल्सन मंडेला
c. बराक ओबामा　d. नेहरू

11. दक्षिण अफ्रीका गोरों के शासन से कब स्वतंत्र हुआ ?

a. 15 अगस्त 1947ई. b. 26 अप्रैल 1980ई.
c. 26 अप्रैल 1994ई. d. 26 अप्रैल 2004ई.

12. दक्षिण अफ्रीका के नया संविधान में किन को अधिकार दिया गया ?
a. केवल अश्वेतों को
b. केवल श्वेतों को
c. रंगीन चमड़े वालों को
d. दक्षिण अफ्रीका के सभी नागरिकों को

13. वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका के समाज को क्या कहा जाता है?
a. अश्वेतों का समाज
b. श्वेतों का समाज
c. रंगीन चमड़े वालों का समाज
d. इंद्रधनुषी समाज

14. भारत विभाजन से जुड़ी हिंसा में सीमा के दोनों तरफ कम से कम कितने लोग मारे गए थे?
a. 10 लाख b. 12 लाख
c. 15 लाख d. 18 लाख

15. मोतीलाल नेहरू और कांग्रेस के आठ अन्य नेताओं ने भारत का संविधान कब लिखा था ?
a. 1918 ई. b. 1924 ई.
c. 1926 ई. d. 1928 ई.

16. 1931 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन कहाँ हुआ था?
a. दिल्ली b. गया
c. कराची d. कलकत्ता

17. ब्रिटिश शासन वाले भारत में प्रादेशिक असेंबलियों के लिए कब चुनाव कराए गए थे?
a. 1937 ई. b. 1940 ई.
c. 1942 ई. d. 1945 ई.

18. भारतीय संविधान में किस भारत शासन अधिनियम को लगभग हू-ब-हू अपनाया गया है ?
a. 1858 ई. का भारत शासन अधिनियम
b. भारत शासन अधिनियम 1929 ई.
c. भारतीय परिषद अधिनियम 1919 ई.
d. भारत शासन अधिनियम 1935 ई.

19. भारतीय संविधान सभा के सदस्यों के लिए कब चुनाव हुए थे?
a. मार्च 1944 ई. b. जुलाई 1946 ई.
c. जुलाई 1947 ई. d. दिसंबर 1948 ई.

20. संविधान सभा की प्रथम बैठक कब हुई ?
a. फरवरी 1945 ई. b. जुलाई 1946 ई.
c. दिसंबर 1946 ई. d. अगस्त 1947 ई.

21. भारतीय संविधान सभा में कितने सदस्य थे ?
a. 299 b. 300.
c. 400 d. 199

22. भारतीय संविधान कब पूर्ण रूप से तैयार हुआ ?
a. 10 जनवरी 1948ई. b. 15 अगस्त 1947ई.
c. 26 नवंबर 1949ई. d. 26 जनवरी 1950ई.

23. भारतीय संविधान कब लागू हुआ?
a. 15 अगस्त 1947ई. b. 26 नवंबर 1949ई.
c. 26 जनवरी 1950ई. d. 1 जनवरी 1952 ई.

24. गणतंत्र दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?
a. 26 जनवरी b. 15 अगस्त
c. 2 अक्टूबर d. 31 दिसंबर

25. संविधान सभा के प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष कौन थे ?
a. डॉ राजेंद्र प्रसाद b. जयपाल सिंह मुण्डा
c. अबुल कलाम आजाद d. डॉ० बी. आर. अंबेडकर

26. संविधान सभा के अध्यक्ष थे-
a. पंडित जवाहर लाल नेहरू
b. डॉ बी० आर० अंबेडकर
c. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
d. सरोजिनी नायडू

27. अंतरिम सरकार में गृह मंत्री कौन थे।
a. जवाहर लाल नेहरू b. अबुल कलाम आजाद
c. श्यामा प्रसाद मुखर्जी d. सरदार वल्लभ भाई पटेल

28. सरोजिनी नायडू किस राज्य की राज्यपाल' बनी ?
a. उत्तर प्रदेश b. बिहार
c. पंजाब d. उड़ीसा

29. भारतीय रियासतों के भारत में विलय में निर्णायक भूमिका किसने निभाई ?
a. गांधी जी b. राजेन्द्र प्रसाद
c. बलदेव सिंह d. सरदार वल्लभ भाई पटेल

30. भारतीय संविधान सभा द्वारा अंतरिम सरकार का गठन कब किया गया था ?
a. 5 मार्च 1945ई. b. 2 सितंबर 1946 ई.
c. 15 अगस्त 1947ई. d. 26 नवंबर 1949ई.

31. आजादी के पूर्व गठित अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री कौन थे?
a. जवाहर लाल नेहरू b. भीमराव अंबेडकर
c. गांधी जी d. सरदार वल्लभ भाई पटेल

32. भारत के अंतरिम सरकार के प्रथम रक्षा मंत्री कौन थे?
a. श्यामा प्रसाद मुखर्जी b. टी. टी. कृष्णाचारी
c. बलदेव सिंह d. सोमनाथ लाहिड़ी

33. वर्तमान झारखण्ड से संविधान सभा के सदस्य कौन थे?
a. कार्तिक उरांव b. जयपाल सिंह मुण्डा
c. अबुल कलाम आजाद d. जतरा भगत

34. भारतीय संविधान सभा के सदस्य नहीं थे-

a. बलदेव सिंह b. राजेन्द्र प्रसाय

c. जवाहर लाल नेहरू d. महात्मा गांधी

35. 'यंग इन्डिया' नामक पत्रिका किसने प्रकाशित की?

a. महात्मा गांधी b. डॉ. भीमराव अंबेडकर

c. भगत सिंह d. चन्द्र शेखर आजाद

36. भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे-

a. बाल गंगाधर तिलक b. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

c. अटल बिहारी वाजपेयी d. इनमें से कोई नहीं।।

37. झारखंड पार्टी के संस्थापक थे-

a. बिरसा मुण्डा b. शिबू सोरेन

c. जयपाल सिंह मुण्डा d. निर्मल महतो

38. संविधान की उद्देशिका या प्रस्तावना, निम्नलिखित' किन - किन शब्दों से शुरू होती है –

a. मैं, भारत का नागरिक b. स्वतंत्र नागरिक

c. हम, भारत के लोग d. एक राष्ट्र की एकता

39. प्रथम आम चुनाव के बाद प्रथम केन्द्रीय मंत्रिमंडल में कौन शिक्षा मंत्री बने?

a. डॉ राजेन्द्र प्रसाद b. सरोजिनी नायडू

c. सोमनाथ लाहिड़ी d. अबुल कलाम आजाद

40. 15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि के समय संविधान सभा में दिया गया भाषण-शीर्षक 'नियति के साथ साक्षात्कार' किसने दिया ?

a. जवाहर लाल नेहरू b. गांधी जी

c. बी०आर० अम्बेडकर d. जयप्रकाश नारायण

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1. a	2. b
3. c	4. d
5. d	6. b
7. c	8. d
9. a	10. b
11. c	12. d
13. d	14. a
15. d	16. c
17. a	18. d
19. b	20 c
21. a	22. c
23. c	24. a
25. d	26. c
27. d	28. a
29. d	30. b
31. a	32. c
33. b	34. d
35. a	36. b
37. c	38. c
39. d	40. a

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. देशद्रोह किसे कहते हैं ?

उत्तर- देश की सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने का अपराध को देशद्रोह कहते हैं ।

2. प्रारूप किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी कानूनी दस्तावेज का प्रारंभिक रूप को 'प्रारूप' कहते हैं?

3. रंगभेद शासन व्यवस्था क्या थी ?

उत्तर- रंगभेद यूरोप के गोरे लोगों द्वारा दक्षिण अफ्रीका में 1948ई. से 1989 ई. के बीच काले लोगों के साथ नस्ली –अलगाव और खराब व्यवहार करने वाली व्यवस्था को 'रंगभेद' शासन व्यवस्था कहते हैं।

4. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की राजनीति ने लोगों को किस आधार पर बाँट दिया था ?

उत्तर- दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की राजनीति ने लोगों को उनकी चमड़ी के रंग के आधार पर बाँट दिया था।

5. चमड़ी के रंग के आधार पर दक्षिण अफ्रीका में कौन-कौन से रंगों के लोग रहते थे ?

उत्तर- चमड़ी के रंग के आधार पर दक्षिण अफ्रीका में श्वेत, अश्वेत, रंगीन चमड़ी वाले लोग और भारतीय मूल के लोग रहते थे।

6. संविधान किसे कहते है ?

उत्तर- संविधान किसी देश का सर्वोच्च कानून होता है। इसमें किसी देश की राजनीति और समाज को चलाने वाले मौलिक कानून होते हैं।

7. भारतीय संविधान को बनाने में कितना समय लगा ?

उत्तर- भारतीय संविधान को बनाने में दो वर्ष, ग्यारह महीने, अट्ठारह दिन लगे।

8. संविधान सभा किसे कहते हैं?

उत्तर- चुने गए जनप्रतिनिधियों की वह सभा जो संविधान लिखने का काम करती है,उसे संविधान सभा कहते है।

9. भारतीय संविधान सभा में हुए गंभीर चर्चा का रिकॉर्ड किस पुस्तक में किया गया है?

उत्तर- भारतीय संविधन सभा में हुए गंभीर चर्चा का रिकार्ड “कॉस्टीट्यूट असेम्बली डिबेट्स” नाम से बारह खंडों में प्रकाशित पुस्तक में किया गया है।

10. 'भारतीय संविधान की आत्मा' किसमें बसती है।

उत्तर- 'भारतीय संविधान की आत्मा संविधान की प्रस्तावना या उद्देशिका में बसती है।

11. नीचे कुछ गलत वाक्य हैं। हर एक में की गई गलती पहचानें और इस अध्याय के आधार पर उसको ठीक करके लिखें।

a. स्वतंत्रता के बाद देश लोकतांत्रिक हो या नहीं, इस विषय पर स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने अपना दिमाग खुला रखा था।

b. भारतीय संविधान सभा के सभी सदस्य संविधान में कही गई प्रत्येक बात पर सहमत थे।

c. जिन देशों में संविधान है वहाँ लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही होगी।

d. संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है इसलिए इसमें बदलाव नहीं किया जा सकता।

उत्तर- a. स्वतन्त्रता के बाद देश लोकतांत्रिक ही होगा, इस विषय पर स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने अपना दिमाग खुला रखा था।

b. भारतीय संविधान सभा के सभी सदस्य संविधान में कही हरेक बात पर विस्तृत चर्चा के बाद सहमत हुए थे।

c. जिन देशों में संविधान है, वहाँ लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था हो भी सकती है और नहीं भी।

d. संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है इसलिए केवल संसद द्वारा ही निश्चित प्रक्रिया के माध्यम से इसमें बदलाव किया जा सकता है।

12. दक्षिण अफ्रीका का लोकतांत्रिक संविधान बनाने में इनमें से कौन-सा टकराव सबसे महत्त्वपूर्ण था:

a. दक्षिण अफ्रीका और उसके पड़ोसी देशों का

b. स्त्रियों और पुरुषों का

c. गोरे अल्पसंख्यक और अश्वेत बहुसंख्यकों का

d. रंगीन चमड़ी वाले बहुसंख्यकों और अश्वेत अल्पसंख्यकों का

उत्तर- c. गोरे अल्पसंख्यकों और अश्वेत बहुसंख्यकों का।

13. लोकतांत्रिक संविधान में इनमें से कौन-सा प्रावधान नहीं रहता?

a. शासन प्रमुख के अधिकार।

b. शासन प्रमुख का नाम।

c. विधायिका के अधिकार।

d. देश का नाम।

उत्तर- b. शासन प्रमुख का नाम।

14. संविधान निर्माण में इन नेताओं और उनकी भूमिका में मेल बैठाएँ:

a. मोतीलाल नेहरू	1. संविधान सभा के अध्यक्ष
b. बी. आर.अम्बेडकर	2. संविधान सभा की सदस्य
c. राजेंद्र प्रसाद	3. प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
d. सरोजनी नायडू	4. 1928 ई. भारत का संविधान बनाया

उत्तर-

a. मोतीलाल नेहरू	4. 1928 ई. भारत का संविधान बनाया
b. बी. आर.अम्बेडकर	3. प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
c. राजेंद्र प्रसाद	1. संविधान सभा के अध्यक्ष
d. सरोजनी नायडू	2. संविधान सभा की सदस्य

15. जवाहर लाल नेहरू के नियति के साथ साक्षात्कार वाले भाषण के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का जवाब दें:

a. नेहरू ने क्यों कहा कि भारत का भविष्य सुस्ताने और आराम करने का नहीं है?

b. नए भारत के सपने किस तरह विश्व से जुड़े हैं?

c. वे संविधान निर्माताओं से क्या शपथ चाहते थे?

d. "हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति की कामना हर आँख के आँसू पोंछने की है।" वे इस कथन में किसका जिक्र कर रहे थे?

उत्तर- a. भविष्य में भारतीय समाज के सामने असंख्य चुनौतियाँ। हैं जिनको दिन-रात के अथक प्रयास के बाद ही हल कर पाना संभव था। इसलिए नेहरू ने कहा, कि भारत का भविष्य सुस्ताने और आराम करने का नहीं है

b. लोकतंत्र की स्थापना के पश्चात भारत को संपूर्ण विश्व में मानवता की सेवा व भाइचारे की भावना का विकास करना है। इसलिए भारत के सपने विश्व से जुड़े हैं।

c. वे संविधान निर्माताओं से शपथ चाहते हैं, कि वे इस तरह के संविधान का निर्माण करें, जिससे भारत के गरीब से गरीब व्यक्ति के मौलिक अधिकारों की रक्षा और सम्मान हो सके।

d. वे महात्मा गाँधी का जिक्र कर रहे हैं।

16. हमारे संविधान को दिशा देने वाले ये कुछ मूल्य और उनके अर्थ हैं। इन्हें आपस में मिला कर दोबारा लिखिए।

a. संप्रभु	1. सरकार किसी धर्म के निर्देशों के अनुसार काम नहीं करेगी।
b. गणतंत्र	2. फैसले लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों पास है।
c. बंधुत्व	3. शासन प्रमुख एक चुना हुआ व्यक्ति है।
d. धर्मनिरपेक्ष	4. लोगों को आपस में परिवार की तरह रहना चाहिए।

उत्तर-

a. संप्रभु	2. फैसले लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों के पास है।
b. गणतंत्र	3. शासन प्रमुख एक चुना हुआ व्यक्ति है।
c. बंधुत्व	4. लोगों को आपस में परिवार की तरह रहना चाहिए।

d. धर्मनिरपेक्ष   1. सरकार किसी धर्म के निर्देशों के अनुसार काम नहीं करेगी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्रभुत्व-संपन्न या संप्रभुता का क्या अर्थ है?

उत्तर- लोगों को अपने से जुड़े, हर मामले में फैसला करने का सर्वोच्च अधिकार को संप्रभुता कहते हैं। साथ ही भारत सरकार घरेलू और वैदेशिक मामले में किसी भी बाह्य शक्ति के आदेश को मानने के लिए बाध्य नहीं है।

2. संविधान में वर्णित गणराज्य शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर- भारत के शासन का प्रमुख, लोगों द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा, न कि किसी वंश या राज-खानदान का। हमारे देश में शासन का प्रमुख राष्ट्रपति होता है।

3. संविधान की प्रस्तावना में वर्णित 'समता' क्या अर्थ है ?

उत्तर- 'समता' का अर्थ है, कानून के समक्ष सभी लोग 'समान है। संविधान' सदियों से चली आ रही सामाजिक असमानताओं का अंत और हर नागरिक को समान अवसर उपलब्ध कराने की गारंटी देता है।

4. किस प्रकार अफ्रीकी वासियों ने 1950 ई. से शुरू हुए "रंगभेद प्रणाली" के खिलाफ संघर्ष किया? इस संघर्ष में कौन -कौन लोग, या समूह शामिल थे?

उत्तर- 1950 ई. से शुरू हुए "रंगभेद प्रणाली" के खिलाफ संघर्ष में अश्वेत,रंगीन चमड़े वाले और भारतीय मूल के लोगों ने संघर्ष किया। इन्होंने विरोध प्रदर्शन और हड़तालें आयोजित कीं। भेदभाव वाली इस शासन प्रणाली का विरोध करने वाले संगठन 'अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस' के झंडे तले एकजुट हुए। इनके कई मजदूर संगठन और कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल थी। अनेक समझदार और संवेदनशील गोरे लोग भी रंगभेद समाप्त करने के आंदोलन में अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस का साथ दिया।

5. भारतीय संविधान के प्रस्तावना/ उद्देशिका में वर्णित 'समाजवादी' शब्द का क्या अर्थ है ?

उत्तर- समाज में संपदा या संपत्ति का उत्पादन सामूहिक रूप से होता है। अतः समाज में उसका बँटवारा समानता के साथ होना चाहिए। सरकार जमीन और उद्योग-धंधों की हकदारी या स्वामित्व से जुड़े कायदे-कानून इस तरह बनाए कि सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ कम हों।

6. भारतीय संविधान में वर्णित शब्द पंथ-निरपेक्ष' का क्या अर्थ है ?

उत्तर- भारतीय संविधान में वर्णित शब्द 'पंथ निरपेक्ष' का अर्थ है, कि भारत के नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वतंत्रता है। कोई भी धर्म, राज्य या भारत का आधिकारिक धर्म नहीं होगा। सरकार सभी धार्मिक मान्यताओं और आचरणों को समान रूप से सम्मान देगी।

7. 1912 ई. में प्रकाशित 'विवाहित महिलाओं' के लिए आचरण पुस्तक के निम्नलिखित अंश को पढ़ें:

"ईश्वर ने औरत जाति को शारीरिक और भावनात्मक, दोनों ही तरह से ज्यादा नाजुक बनाया है। उन्हें आत्म रक्षा के भी योग्य नहीं बनाया है। इसलिए ईश्वर ने ही उन्हें जीवन भर पुरुषों के संरक्षण में रहने का भाग्य दिया है- कभी पिता के, कभी पति के और कभी पुत्र के। इसलिए महिलाओं को निराश होने की जगह इस बात से अनुगृहीत होना चाहिए कि वे अपने आपको पुरुषों की सेवा में समर्पित कर सकती हैं।"- क्या इस अनुच्छेद में व्यक्त मूल्य संविधान के दर्शन से मेल खाते हैं या वे सवैधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं?

उत्तर- इस अनुच्छेद में व्यक्त मूल्य संविधान के दर्शन से बिल्कुल मेल नहीं खाते। यह तो संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। संवैधानिक रूप से स्त्री-पुरूष में किसी भी प्रकार का कोई भेद-भाव नहीं है। संविधान ने सभी को समान मौलिक अधिकार प्रदान किये हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कैसे दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की सरकारी नीति अश्वेतों के लिए दमनकारी थी ? स्पष्ट करें।

उत्तर- दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की सरकारी नीति अश्वेतों के लिए निम्नलिखित रूप से दमनकारी थी -

a. अश्वतों को गोरों की बस्तियों में रहने-बसने की इजाजत नहीं थी।

b. परमिट होने पर ही वे गोरों की बस्ती में जाकर काम कर सकते थे।

c. रेलगाड़ी, बस, टैक्सी, होटल, अस्पताल, स्कूल और कॉलेज, पुस्तकालय, सिनेमाघर, नाट्यगृह, समुद्र तट, तरणताल और सार्वजनिक शौचालयों तक में गोरों और कालों के लिए एकदम अलग- अलग इंतजाम थे।

d. काले लोग गोरों के गिरजाघर में नहीं जा सकते थे।

e. अश्वेतों को संगठन बनाने और इस भेदभावपूर्ण व्यवहार का विरोध करने का भी अधिकार नहीं था।

f. काले लोगों को वोट डालने का भी अधिकार नहीं था।

उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट है कि दक्षिण अफ्रीका में रंग भेद की सरकारी नीति अश्वतों के लिए दमनकारी थी।

2. संविधान के प्रस्तावना या उद्देशिका से क्या समझते हैं? भारतीय संविधान के प्रस्तावना में वर्णित किये गये किन्ही चार बुनियादी मूल्यों/ दर्शन का उल्लेख करें।

उत्तर- प्रस्तावना संविधान का वह पहला कथन होता है, जिसमें कोई देश अपने संविधान के बुनियादी मूल्यों या दर्शन और अवधारणाओं को स्पष्ट ढंग से कहता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना, संविधान का "दर्पण" या "आत्मा" है। इसमें वह दर्शन या मूल्य शामिल है जिस पर पूरे संविधान का निर्माण हुआ है।

भारतीय संविधान के प्रस्तावना में लिखे बुनियादी मूल्य या दर्शन निम्नलिखित है -

a. "हम, भारत के लोग", संविधान की प्रस्तावना "हम, भारत के लोग" कथन से शुरू होती है। इसका अर्थ है कि भारत के संविधान का निर्माण और अधिनियम भारत के लोगों ने

अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से किया है।

b. "संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न", इसका अर्थ है - भारतीयों को अपने से जुड़े हर मामले में फैसला करने का सर्वोच्च अधिकार है। भारत-सरकार घरेलू और वैदेशिक मामलो में किसी भी बाह्य शक्ति के आदेश को मानने के लिए बाध्य नही है।

c. "लोकतंत्रात्मक", भारत एक लोकतांत्रिक देश है जिसमें भारतीयों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त है। भारतीय अपने शासन का चुनाव करते हैं, और उसे जवाबदेह बनाते हैं।

d. "न्याय", प्रस्तावना में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय कथन का उल्लेख किया गया है। इसका अर्थ है, भारतीय नागरिकों के साथ जाति, धर्म, और लिंग, के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

उपरोक्त मूल्यों के अतिरिक्त भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, गणराज्य, समता, समाजवादी, स्वतंत्रता, व्यक्ति की गरिमा, 'राष्ट्र की एकता और अखंडता, बन्धुत्वा जैसे मूल्यों का उल्लेख किया गया है।

4. नेल्सन मंडेला पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें –

उत्तर- 'नेल्सन मंडेला' दक्षिण अफ्रीका के एक महान राष्ट्रीय नेता थे। इन्होने "रंगभेद" पर आधारित गोरों की सरकार का विरोध किया। गोरों की सरकार ने इन पर देशद्रोह का आरोप लगा कर 1964 ई. में आजीवन कारावास की सजा दी। मंडेला को 28 वर्षों तक दक्षिण अफ्रीका की सबसे भयावह जेल, रोब्बेन द्वीप में कैद रखा गया।

अंततः नेलसन मंडेला के जेल से रिहा होने के बाद नेल्सन मंडेला ने "अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस" पार्टी का नेतृत्व संभाला। अब रंगभेद के खिलाफ संघर्ष और विरोध बढ़ता गया। फलत:26 अप्रैल 1994 ई.की मध्य रात्रि को दक्षिण अफ्रीका एक नया लोकतांत्रिक गणराज्य बना और रंगभेद वाली शासन व्यवस्था समाप्त हुई। 1994 ई के आम चुनाव में "अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस पार्टी" (ए.एन.सी.) की जीत हुई। और नेल्सन मंडेला राष्ट्रपति चुने गए। दो वर्षो के अथक प्रयास से दक्षिण अफ्रीका का नया संविधान बनाया गया। संविधान बनाने में सभी नस्लों के लोग- श्वेत, अश्वेत, रंगीन चमड़े वाले, भारतीय मूल के लोगों ने योगदान दिया। सभी अफ्रीकी वासियों को "नागरिक अधिकार" दिये गए। आज का दक्षिण अफ्रीका खुद को 'इंद्रधनुषी देश' कहता है। जो "नेल्सन मंडेला" जैसे महान नेता की ही देन है।

5. कुछ दिन पहले नेपाल से आपके एक मित्र ने वहाँ की राजनैतिक स्थिति के बारे में आपको पत्र लिखा था। वहाँ अनेक राजनैतिक पार्टियाँ राजा के शासन का विरोध कर रही थीं। उनमें से कुछ का कहना था कि राजा द्वारा दिए गए मौजूदा संविधान में ही संशोधन करके चुने हुए प्रतिनिधियों को ज्यादा अधिकार दिए जा सकते हैं। अन्य पार्टियाँ नया गणतांत्रिक संविधान बनाने के लिए नई संविधान सभा गठित करने की मांग कर रही थीं। इस विषय में अपनी राय बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें।

उत्तर- प्रिय मित्र,

राजा के शासन का विरोध करना उचित है, इसलिए लोकतांत्रिक तरीकों से इसका विरोध करना चाहिए । संविधान में संशोधन, लोकतान्त्रिक तरीकों को अपना कर ही किया जाना चाहिए और चुने हुए प्रतिनिधियों के अधिकारों में वृद्धि करना चाहिए । यह मांग करनी चाहिए कि संविधान सभा का गठन कर लोकतान्त्रिक तरीके से, एक लोकतांत्रिक सरकार के गठन कर सभी प्रक्रियाओं को संविधान में वर्णित करे। नये संविधान में देश की शासन व्यवस्था लोकतंत्र के अनुसार ही चलाई जाये और राजा सिर्फ सैविधानिक प्रधान रहे और उसकी शक्तियों का प्रयोग जनता के प्रतिनिधि करें। ब्रिटेन का संविधान इस मामले में आपकी मदद कर सकता है। इसलिए ब्रिटेन के संविधान का अध्ययन करना कारगर सिद्ध हो सकता है।

आपका मित्र,

कोमल

6. भारत के लोकतंत्र के स्वरूप में विकास के प्रमुख कारणों के बारे में कुछ अलग-अलग विचार इस प्रकार हैं।आप इनमें से हर कथन को भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कितना महत्त्वपूर्ण कारण मानते हैं?

a. अंग्रेज शासकों ने भारत को उपहार के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्था दी। हमने ब्रिटिश हुकूमत के समय बनी प्रांतीय असेंबलियों के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में काम करने का प्रशिक्षण पाया।

b. हमारे स्वतंत्रता संग्राम ने औपनिवेशिक शोषण और भारतीय लोगों को तरह-तरह की आजादी न दिए जाने का विरोध किया। ऐसे में स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक होना ही था ।

c. हमारे राष्ट्रवादी नेताओं की आस्था लोकतंत्र में थी। अनेक नव स्वतंत्र राष्ट्रों में लोकतंत्र का न आना हमारे नेताओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

उत्तर- a. अंग्रेज शासकों ने भारत को लोकतांत्रिक व्यवस्था उपहार के रूप में नहीं दी है। यह हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों की देन है जिन्होंने अंग्रेजों को मजबूर किया कि वे प्रांतीय असेंबलियों का गठन करें। अंग्रेजों ने कभी भी लोकतान्त्रिक प्रक्रियाओं का सही इस्तेमाल नहीं किया। ये प्रशिक्षण हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की सोच का परिणाम था ।

b. हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस शोषण का विरोध किया और जिन स्वतंत्रताओं की मांग की, वो सब लोकतांत्रिक विचारों के अनुरूप थीं। उस व्यवस्था में यह सब मांग करना स्वाभाविक था, जो अंग्रेजों ने भारतीयों को मजबूरी वश दिया। भारतीयों ने जो मांगें की वो सब लोकतंत्र के अनुरूप ही थीं। हमारे नेताओं के मन में एक लोकतांत्रिक भारत का विचार पहले से ही स्पष्ट हो चुका था।

c. हमारे राष्ट्रवादी नेताओं की आस्था लोकतंत्र में थी। दूसरे नव स्वतंत्र राष्ट्रों में लोकतंत्र की स्थापना न होना उनके नेताओं की ही कमी रही होगी, जबकि हमारे नेताओं ने लोकतंत्र की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वर्तमान लोकतांत्रिक भारत हमारे नेताओं की ही देन है।

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। क्या आप उनसे सहमत हैं? अपने कारण भी बताइए।

a. संविधान के नियमों की हैसियत किसी भी अन्य कानून के बराबर है।

b. संविधान बताता है कि शासन व्यवस्था के विविध अंगों का गठन किस तरह होगा।

c. नागरिकों के अधिकार और सरकार की सत्ता की सीमाओं का उल्लेख भी संविधान में स्पष्ट रूप में है।

d. संविधान संस्थाओं की चर्चा करता है, उसका मूल्यों से कुछ लेना-देना नहीं है।

उत्तर- a. संविधान के नियम अपने आप में सर्वोत्तम कानून/नियम है, ये सभी प्रकार से अन्य कानूनों के बराबर हैं।

b. इस कथन से हम पूर्णतया सहमत हैं। हमें संविधान ही यह बताता है कि शासन व्यवस्था के विविध अंगों का गठन किस तरह होगा।

c. नागरिकों के अधिकार और सरकार की सत्ता की सीमाओं का उल्लेख भी संविधान में स्पष्ट रूप में है, यह कथन सत्य है।

d. यह कथन गलत है कि संविधान का मूल्यों से कोई लेना-देना नहीं है। संविधान नैतिक एवम् प्रत्येक प्रकार के मूल्यों की स्थापना करता है। संविधान में संस्थाओं की चर्चा के साथ-साथ मूल्य भी निहित होते हैं।